(8)

आयुष विवि में छह माह में शुरू हो जाएगी ओपीडी

■ अफरोधीन

भटहट। गोरखनगरी के पिपरी में निर्माणाधीन महायोगी गुरु गोरक्षनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय की ओपीडी छह माह में शुरू हो जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद निर्माण कार्यों में तेजी आ गई है। चार माह में कुलपति आवास, स्टाफ रूम के साथ ही अतिथि भवन का निर्माण कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य दिया गया है।

पिछले माह मुख्यमंत्री ने आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया था। 18 मई को मुख्य सचिव दुर्गा प्रसाद मिश्र का भी दौरा प्रस्तावित है। अपने दौरे में मुख्यमंत्री ने बारिश के पूर्व मिट्टी भराई का कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कुलपति आवास, अतिथि भवन और स्टाफ रूम के निर्माण जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए थे। आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एके सिंह ने 'हिन्दुस्तान' से बातचीत में कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप निर्माणाधीन महायोगी गुरु गोरक्षनाथ राज्य आयुष विवि परिसर में वीसी आवास के साथ ही स्टाफ आवास एवं अतिथि भवन तैयार करने के लिए कंस्ट्रक्शन कंपनी विजय निर्माण को चार माह का वक्त दिया गया है। ओपीडी शुरू करने की सभी तैयारियां की जा रही हैं। आवास तैयार होते ही यहां स्टाफ रहने लगेगा और रोगियों के लिए ओपीडी शुरू कर दी जाएगी।

मिट्टी भराई के लिए लगाए गए 18 डम्पर

निर्माण कंपनी के मैनेजर संजय सिंह ने बताया कि मिट्टी ढुलाई के लिए 18 डंपर लगाए गए हैं। तीन अलग-अलग स्थानों पर मिट्टी खुदाई करने के लिए जेसीबी लगाई गई है। लगभग 70 फीसदी मिट्टी भराई का कार्य पूर्ण करा दिया है। बरसात से पूर्व एडमिन ब्लॉक के साथ ही गेस्ट हाउस, वीसी हाउस, स्टाफ रूम, फैकल्टी सेंटर, टाइप एक से पांच ब्लॉक आदि के भवन निर्माण के लिए नींव डाल दी गई है। कुछ ब्लॉक में कॉलम भी खड़े करा दिए गए हैं। बरसात से पूर्व मिट्टी से ऊपर निर्माण कार्य पहुंच जाएगा। इससे भवन निर्माण में कोई दिक्कत नहीं होगी।

किसानों को मिल रही है मिट्टी की अच्छी कीमत: आयुष विवि के निर्माण कार्य में तेजी आने के बाद क्षेत्र में किसानों को मिट्टी की अच्छी कीमत मिलने लगी है। किसानों का कहना है कि पहले 60 डिसमिल भूमि की मिट्टी निकालने के लिए भट्ठा मालिक 40 से 45 हजार रुपये देते थे। चार फीट गहराई में मिट्टी निकालते थे। आयुष के निर्माण कम्पनी के मैनेजर संजय कुमार कहते हैं कि किसानों को 60 डिसमिल भूमि मिट्टी की कीमत 90 हजार से 01 लाख रुपये सीधे उनके खाते में भुगतान से दी जा रही है। किसान एवं कंपनी के बीच कोई बिचौलिया नहीं है। ऐसे में किसान सीधे कंपनी के मैनेजर से मिट्टी के लिए संपर्क कर रहे हैं।